मध्यप्रदेश शासन

वन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

क्रमांक/डी–128/2644/2016/10–2 भोपाल, दिनांक23 जनवरी, 2017

प्रति,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
(संयुक्त वन प्रबंधन/वन विकास अभिकरण)
मध्यप्रदेश, भोपाल

विषय :– दीनदयाल वनांचल सेवा का शुभारंभ।

———

उपरोक्त विषयान्तर्गत दीनदयाल वनांचल सेवा का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 20.10.2016 को भोपाल में किया गया है। इस योजना के अंतर्गत वन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्यवाही की जानी है। जिसके बाबत् जारी दिशा–निर्देश की प्रति संलग्न प्रेषित है। कृपया इस पत्र की प्रति अपने स्तर से संबंधित को प्रेषित करने का अनुरोध है।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार

(संजय मोहरीर)
अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग

मध्यप्रदेश शासन
वन विभाग

क्रमांक 3036/2644/2016/10.2 भोपाल, दिनांक 27.12.2016

प्रति,

समस्त मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय)
समस्त वनमण्डलाधिकारी,
समस्त जिला शिक्षा अधिकारी,
समस्त जिला परियोजना समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान
मध्यप्रदेश।

विषय :–दीनदयाल वनांचल सेवा का शुभारंभ।

प्रदेश के सुदूर वनांचलों में स्थित स्कूल शिक्षा विभाग के अन्तर्गत विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं को पर्यावरण प्रेमी बनाने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु यह आवश्यक है कि इन क्षेत्रों में पदस्थ वनकर्मियों एवं संयुक्त वन प्रबंधक समितियों को विद्यालय की गतिविधियो से जोड़ा जाये। वन विभाग द्वारा इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए **"दीनदयाल वनांचल सेवा"** का शुभारंभ किया गया है। **"दीनदयाल वनांचल सेवा"** का उद्घाटन प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 20.10.2016 को भोपाल में किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत वन विभाग के स्थानीय अमले के माध्यम से निम्नलिखित कार्यवाही की जानी है :–

1– शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना।

2– स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं जैसे निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, गणवेश, सायकल तथा छात्रवृत्ति वितरण आदि योजनाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराना ।

3– वनग्रामों के ऐसे बच्चे जो शालाओं में नहीं आ रहे है, उनके अभिभावको से चर्चा कर एवं विशेषकर लड़कियों को शाला में जाने हेतु प्रेरित कर शाला त्यागी बच्चों की संख्या में कमी लाने का प्रयास किया जाना।

4– छात्र एवं छात्राओं को स्वच्छता, पोषण, पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी आदि के बारे में जानकारी प्रदाय की जाना।

5– वनग्रामों में संचालित शालाओं में स्वच्छता के संबंध में जागरूकता लाना।

निरन्तर ...2...

6— शालाओं में पौधा लगाना एवं उसके रख–रखाव के बारे में प्रेरणा पैदा करना।

7— बच्चों को पौधों की पहचान हेतु अलग–अलग पौधों का रोपण का नाम पट्टिका लगाई जाना। पौधों की नियमित देखरेख कर पानी डालने के लिए भी बच्चों को प्रेरित किया जाना।

8— वन भ्रमण के तहत वृक्षों की जानकारी दे सकने वाले वन विशेषज्ञों द्वारा, वन एव वन्य प्रणियों के संबंध में छात्रों को जानकारी प्रदाय करना।

9— वनांचलों में स्थित छात्रावासों में विशेष वन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन।

10— पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता एवं वन्य जीव–जन्तुओं के प्रति लगाव हेतु प्रतिवर्ष आयोजित किये जाने वाले "मोगली उत्सव" की गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदाय करना।

वन विभाग द्वारा उपर्युक्तानुसार कार्यवाही सम्पादित करने में समस्त आवश्यक सहयोग शिक्षा विभाग के स्थानीय कार्यरत अधिकारियों/शिक्षकों द्वारा प्रदान किया जावे।

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)
सचिव,
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

(दीपक खाण्डेकर)
अपर मुख्य सचिव
मध्यप्रदेश शासन
वन विभाग